जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 30 संख्याः 92 प्रभात अजमेर, रविवार, 2 नवम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

प्रशांत किशोर की सबसे बड़ी ताकत है बिहार चुनाव में उनकी रहस्यमयता

चुनाव के बाद वो किस पार्टी के साथ जाएंगे, इसे विश्वासपूर्वक कोई नहीं कह सकता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1, नवम्बर। बिहार में मतदान की तारीखें नजदीक आते ही, चुनावी रणनीतिकार से जन-आंदोलनकर्ता बने प्रशांत किशोर (पीके) एक बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में उभरते दिखाई दे रहे हैं, जो परंपरागत चुनावी गणित को बदल सकते हैं।

हाल की कई ज़मीनी रिपोर्टों से संकेत मिला है कि किशोर का जन सुराज अभियान, जनता के बीच गहराई से पहुंच बनाकर भाजपा और जदयू दोनों के वोट बैंक को प्रभावित कर रहा है, जिससे सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन के लिए गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है।

कई जिलों से आए सर्वेक्षण बताते हैं कि किशोर का गांव-गांव तक पहुंचना और पहली बार वोट देने वाले युवाओं को जोड़ने का अभियान अब असर दिखाने लगा है, खासकर उन इलाकों में

- पर यह सच है कि वो लोग, जो केन्द्रीय सरकार के कार्यकलापों से नाखुश हैं व उतने ही असंतुष्ट नीतीश कुमार के बिहार मॉडल से हैं, वे प्रशांत किशोर की नई राजनीतिक कल्चर की ओर आकर्षित हो रहे हैं।
- प्रशांत किशोर की अहमियत उन चुनाव क्षेत्रों में अति महत्वपूर्ण हो गई है, जहाँ गत चुनावों में जीत का अंतर बहुत कम रहा है।
- यह स्वीकार करना पड़ता है कि प्रशांत किशोर यदि कुछ सीमित संख्या में जीत कर आते हैं तो भी सरकार बनाने में उनकी अहमियत को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।
- पार्टियों के कोर सपोर्ट वोट बैंक, यूथ ईबीसी तथा जागृत ग्रामीण वोटों में वे विभाजन करा रहे हैं, जिससे पार्टियों में संघर्ष और टाईट हो गया है।

जहां राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ नाराज़गी साफ झलकती है।

पर्यवेक्षकों के अनुसार, मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा, जो केंद्र सरकार के कामकाज से निराश है और नीतीश कुमार के बिहार मॉडल से भी असंतुष्ट है, अब किशोर के नई राजनीतिक संस्कृति के वादे की ओर आकर्षित होता दिख रहा है।

किशोर बार-बार यह कहते आए हैं कि उनका आंदोलन बिहार के पुनर्निर्माण की दीर्घकालिक सोच से प्रेरित है, लेकिन जानकारों का कहना है कि उनकी बढ़ती संगठनात्मक शक्ति और कार्यकर्ताओं का फैलता नेटवर्क उन्हें चुनाव बाद की राजनीति में एक अहम खिलाड़ी बना सकता है। एक वरिष्ठ चुनाव विश्लेषक के शब्दों में, "अगर किशोर कुछ सीटें भी जीत लेते हैं, तो सरकार गठन में उनकी सौदेबाज़ी की ताकत को कम नहीं आंका जा सकता।"

भाजपा और जदयू के लिए किशोर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सज्जनगढ़ जैविक उद्यान में बाघ की मौत

उदयपुर, 1 नवम्बर (कास.)। जैविक उद्यान सज्जनगढ़ में एक नर बाघ की मौत हो गई, जो 8 साल से इसी पार्क में रह रहा था।

उप वन संरक्षक वन्यजीव यादवेंद्र सिंह चुण्डावत ने बताया कि शनिवार सुबह दैनिक प्राणी चैकिंग व होल्डिंग क्षेत्र की साफ-सफाई के समय, हॉल्डिंग क्षेत्र में ही नर बाघ का शव मिला। "कुमार" नाम के इस बाघ का जन्म 2007 में पिलिकुला बायोलॉजिकल

- वन्य जीव स्टाफ ने बताया कि कुमार नामक बाघ 18 वर्ष का हो चुका था और बढ़ती उम्र की समस्याओं से त्रस्त था। इसे 2017 में कर्नाटक से यहाँ लाया गया था।

पार्क मैंगलोर, कर्नाटक में हुआ और 13 जुलाई 2017 को जैविक उद्यान सज्जनगढ़ में लाया गया। तब उसकी उम्र 10 वर्ष थी। वह जैविक उद्यान सज्जनगढ़ में पर्यटकों के लिए डिस्प्ले में रहा। गत छह माह से उम्रदराज होने के कारण जोडों में दर्द होने के चलते उसे नॉन डिस्प्ले क्षेत्र में रखा गया था। सूत्रों ने बताया कि 30 अक्टूबर को सुबह चैकिंग के दौरान पता चला कि उसने रात का खाना नहीं खाया था।

चुण्डावत ने बताया कि मेडिकल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'2005 में हमें जैसा बिहार मिला था, तब बिहारी होना अपमान की बात थी'

'तब से मैंने दिन रात ईमानदारी और कड़ी मेहनत से आपकी सेवा की है, अब बिहारी होना सम्मान की बात है'

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राज्य के नागरिकों के लिए एक वीडियो जारी किया और कहा कि सन् 2005 में पहली बार मुख्यमंत्री बनने से लेकर अब तक उन्होंने "ईमानदारी और कड़ी मेहनत" के साथ उनकी सेवा की है।

तीन मिनट से ज्यादा के इस वीडियो संबोधन में, जेडीयू के नेता ने कहा कि "2005 में जब वे पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तब बिहारी होना अपमान का विषय था।"

उन्होंने कहा, "मेरे प्रिय भाइयों और बहनों, बिहारवासियों, आपने मुझे 2005 से आपकी सेवा करने का अवसर दिया। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि जिस स्थिति में हमें बिहार मिला था, उस समय बिहारी होना अपमान की बात थी। तब से अब तक, हमने दिन-रात ईमानदारी और मेहनत से आपकी सेवा की है।"

कुमार, जिनकी जेडीयू इस समय बिहार में भाजपा नीत गठबंधन का हिस्सा है, ने कहा कि उन्होंने शिक्षा,

- नीतीश कुमार ने जनता के नाम वीडियो संदेश जारी कर अपनी उपलब्धियाँ गिनाईं।
- नीतीश ने कहा, मैंने जनता के लिए काम किया, अपने परिवार के लिए नहीं। कोई भी हो, चाहे हिंदू या मुसलमान, अगड़ा या पिछड़ा या महादलित, हमने सभी के लिए काम किया है।
- नीतीश ने कहा, हमें एक और मौका दीजिए, हम बिहार के विकास के लिए कई काम करेंगे।

स्वास्थ्य, सड़कों, बिजली, पेयजल, कृषि, और युवाओं के लिए अवसरों में सुधार किया है।

उन्होंने कहा, "पिछली सरकार ने महिलाओं के लिए कोई काम नहीं किया। अब हमने महिलाओं को इतना मजबूत बना दिया है कि अब वे किसी पर निर्भर नहीं हैं और अपने परिवारों और बच्चों के लिए सभी काम कर सकती हैं। हम आपको यह बताना चाहते हैं कि हमने समाज के सभी वर्गों के लिए काम किया है।"

नीतीश ने कहा, "चाहे आप हिन्दू हों, मुस्लिम हों, उच्च जाति के हों, पिछड़े हों, दलित हों, या महादलित, हम सबके लिए काम कर रहे हैं। मैंने अपने परिवार के लिए कुछ भी नहीं किया।" कुमार ने जनवरी में पुनः एनडीए में शामिल होकर, बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में रिकॉर्ड नौवीं बार शपथ ली।

उन्होंने कहा, "अब, बिहारी होना अपमान की बात नहीं, बल्कि सम्मान की बात है।"

उन्होंने एनडीए के प्रत्याशियों को वोट देने की अपील करते हुए कहा, "हमें एक और मौका दें। इसके बाद, और काम किए जाएंगे, जो बिहार को इतना विकसित कर देंगे कि यह देश के शीर्ष राज्यों में शामिल हो जाएगा।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आँध्र के काकुलम के वैंकटेश्वर मंदिर में भगदड़, दस की मौत

मृतकों में 2 बच्चे व 8 महिलाएँ हैं, 25 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं

श्रीकाकुलम, 01 नवंबर। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित काशीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को एकादशी के दौरान भगदड़ मचने से 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 8 महिलाएं और 2 बच्चे शामिल हैं। 25 से ज्यादा लोगों का इलाज चल रहा है। कहा जा रहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार मंदिर पहली मंजिल पर है, जिसका आने-जाने का रास्ता एक ही है। आज भारी भीड़ के दौरान रास्ता जाम हो गया। लोगों की धक्का-मुक्की की वजह से रेलिंग टूट गई। इससे भगदड़ मच गई।

श्रीकाकुलम के एसपी केवी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि यह मंदिर निजी जमीन पर बना है। मंदिर के संचालक ने प्रशासन या पुलिस को आज के कार्यक्रम की कोई सूचना नहीं दी थी। अगर पहले बताया जाता तो सुरक्षा के इंतजाम किए जा सकते थे।

- शनिवार को एकादशी के कारण मंदिर में भारी भीड़ थी। मंदिर पहली मंज़िल पर है और लोग निकास द्वार से भी अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे।
- भारी भीड़ के कारण रास्ता जाम हो गया तथा धक्का-मुक्की के कारण रेलिंग टूट गई और हादसा हो गया।

पुलिस के अनुसार एकादशी होने की वजह से मंदिर में कुछ श्रद्धालु प्रवेश द्वार की बजाय निकास द्वार से अंदर जाने की कोशिश करने लगे, जिससे अफरा-तफरी के बाद भगदड़ मच गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगाई गई रेलिंग अचानक टूट गई, जिसके बाद कई लोग गिर पड़े।

सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। एसपी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि मंदिर के प्रशासक हरिमुकुंद पांडा पर "गैर-इरादतन हत्या" के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है। सीएम ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ की घटना से गहरा सदमा पहुंचा है। इस दुखद घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु अत्यंत हृदयविदारक है। मैं मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने अधिकारियों को घायलों का शीघ्र और उचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मैंने स्थानीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरएसएस की कांग्रेस को चुनौती

जबलपुर, 01 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने वाले बयान पर संघ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। जबलपुर में आयोजित अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक के बाद

- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जन खड़गे के संघ पर बैन लगाने के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी व कहा कि कांग्रेस पहले तीन बार कोशिश कर चुकी है, एक बार और कर ले।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कांग्रेस को खुली चुनौती दी और कहा कि वे एक बार फिर यह प्रयास करके देख लें।

होसबाले ने कहा कि समाज और सरकार ने संघ को स्वीकार किया है और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जन सुराज पार्टी ने चुनाव से पहले गठबंधन नहीं किया है और चुनाव के बाद भी नहीं करेगी'

जन सुराज पार्टी के संस्थापक सुप्रीमो प्रशांत किशोर ने लिखित में आश्वासन दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1, नवम्बर। चुनाव रणनीतिकार से राजनेता बने और जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि वह आश्वस्त हैं कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में या तो 10 से कम सीटें जीतेगी या 150 से अधिक।

जन सुराज पार्टी ने बिहार चुनाव से पहले किसी अन्य पार्टी से गठबंधन नहीं किया है और चुनाव के बाद भी ऐसा नहीं करेगी, इसकी पुष्टि पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने लिखित रूप में दी है।

प्रशांत किशोर ने शनिवार को पटना में एनडीटीवी के बिहार पावर प्ले कॉन्क्लेव में कहा, "जन सुराज पार्टी आगामी चुनाव में या तो 10 से कम सीटें जीतेगी या 150 से अधिक सीटें जीतेगी।" जब उनसे पूछा गया कि जन सुराज अपनी पहली चुनावी यात्रा में

- सीटों के बारे में पूछे जाने पर किशोर ने कहा, मुझे दो ही संभावना नज़र आती हैं, जन सुराज या तो 10 से कम सीटें जीतेगी या 150 से ज्यादा। उन्होंने कहा, लोगों को जन सुराज में विकल्प दिखाई देता है। पर, वोट देने के लिए "लीप ऑफ फेथ" की जरुरत होती है।
- खंडित जनादेश की स्थिति में किसी अन्य दल से गठबंधन की संभावना पर उन्होंने कहा, अगर ऐसी स्थिति आई कि हमारे बिना सरकार नहीं बनेगी तो लोग पाला बदलेंगे। ऐसी स्थिति में "लक्ष्मी का लोभ" और सीबीआई का डर भारी पड़ता है।
- उन्होंने कहा, अगर हमारे 30 विधायक आए और वे सरकार बनाने के लिए जरुरी हुए तो क्या वे मेरी सुनेंगे, पर मैं ईमानदार रहूँगा। उन्होंने यह भी कहा, अमित शाह से लिखित में लीजिए कि एनडीए के विधायक कम हुए तो वे "हॉर्स ट्रेडिंग" नहीं करेंगे।

कितनी सीटें जीत सकता है, तो उन्होंने कहा, "नेताओं से यह उम्मीद की जाती है कि वे कहेंगे कि वे जीत रहे हैं। मैं दो संभावनाएं देखता हूँ। लोग जन सुराज को एक विकल्प के रूप में देख रहे हैं, लेकिन मतदान के लिए विश्वास की छलांग (लीप ऑफ फेथ) चाहिए। लोगों को विश्वास की छलांग की जरूरत है, क्योंकि लंबे समय तक निराशा का दौर रहा है।" उन्होंने यह भी कहा कि जन सुराज या तो 10 से कम या 150 से अधिक सीटें जीतेगा।

जब उनसे पूछा गया कि वह चुनाव क्यों नहीं लड़ रहे हैं, तो उन्होंने कहा, "मैंने कभी यह घोषणा नहीं की कि मैं किसी भी एक सीट से चुनाव लडूंगा। मैंने कहा था कि अगर मैं चुनाव लडूंगा तो करगहर से लडूंगा। मैं कोई -"एक्स फैक्टर" नहीं हूं।"

उन्होंने कहा, "जब 14 नवम्बर को परिणाम गिने जाएंगे, तो सफलता का माप जन सुराज के सीटें जीतने से होगा या इस बात से कि मैंने चुनाव लड़ा या नहीं? धारणा यह है कि बिहार में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार मुहिम में तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड

नयी दिल्ली, 01 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत तीन गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बनाए जाने की उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए इसकी सराहना की है।

प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि को लेकर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

- प्र.मंत्री मोदी ने इस उपलब्धि की सराहना की

मंत्रालय के एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया में कहा कि इस तरह की पहल बेहद सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह जन आंदोलन महिला सशक्तिकरण के लिए के हर प्रयास को गति देता है और महिलाओं के जीवन में बड़े बदलाव का प्रभावी प्रेरक बनता है।

मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा "यह बहुत ही सराहनीय है। इस तरह के जन आंदोलन हमारे महिला सशक्तीकरण प्रयासों को गति प्रदान करते हैं और हमारी नारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीरजा मोदी स्कूल में चौथी मंजिल से गिर कर छात्रा की मौत

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने स्कूल में सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने का आरोप लगाया और जाँच के आदेश दिए

जयपुर, 1 नवंबर। राजधानी के मानसरोवर थाना इलाके में स्थित नीरजा मोदी स्कूल में चौथी मंजिल से गिरकर एक 12 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार छात्रा छठी क्लास में पढ़ रही थी। बताया जा रहा है कि झाड़ियों में गिरने के बाद उसका सिर दीवार से टकराया, जिससे मौके पर ही उसकी हालत बिगड़ गई। चीख-पुकार सुनकर स्कूल स्टाफ तुरंत पहुंचा और उसे तत्काल मेट्रो मास अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेकर जांच-पड़ताल शुरु कर दी। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि स्कूल में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध नहीं थे। जिला शिक्षा अधिकारी को मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

थानाधिकारी लखन सिंह खटाना ने बताया कि शनिवार को स्कूल की छत से 12 वर्षीय छात्रा अमायरा के नीचे गिरने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। बच्ची को नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह हादसा था या आत्महत्या, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

हादसे की सूचना मिलने ही छात्रा की मां शिवानी देव और पिता विजय देव अस्पताल पहुंचे और बच्ची की हालत को देखकर बेसुध हो गए। छात्रा के परिजनों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन ने घटनास्थल पर खून के धब्बे साफ करवा दिए थे। घटना के बाद घटनास्थल पर सबूत सुरक्षित रखना जरूरी होता है। लेकिन स्कूल प्रशासन की ओर से सबूत मिटा दिए गए। परिजनों ने स्कूल के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। छात्रा के पिता एलआईसी में और मां बैंक ऑफ बड़ौदा में ब्रांच मैनेजर हैं। परिवार मानसरोवर के द्वारका अपार्टमेंट में रहता है।

छात्रा की मौत को लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने दुख प्रकट किया है। मंत्री ने कहा, लगता है स्कूल में सुरक्षा

- मृतक छात्रा, 12 वर्षीय अमायरा छठी कक्षा में पढ़ती थी। चौथी मंज़िल से वह सीधे झाड़ियों में गिरी और उसका सिर दीवार से टकराया। स्कूल स्टाफ उसे तुरंत समीपवर्ती मैट्रो मास अस्पताल ले गया, जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया।
- छात्रा के माता-पिता व अन्य परिजन घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल पहुँचे। परिजनों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन ने घटना स्थल से खून के धब्बे साफ करवाकर सबूत मिटाने का काम किया है। परिजनों ने स्कूल पर सख़्त कार्यवाही की मांग की।
- पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, परिजनों ने अभी तक भी पंचनामे पर साइन नहीं किए हैं। इसलिए पोस्टमार्टम नहीं हो पाया।
- स्कूल प्रबंधन की तरफ से कोई बयान नहीं आया है, पर, कुछ सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं, जिनमें छात्रा अकेले चौथी मंज़िल पर जाते हुए और वहाँ रेलिंग पर बैठी दिख रही है।
- छात्रा के पिता विजयदेव एलआईसी में हैं और माँ शिवानी बैंक ऑफ बड़ौदा में ब्राँच मैंनेजर हैं। संयुक्त अभिभावक संघ ने कहा, छात्रा ने टीचर की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या की है।

के व्यापक प्रबंध नहीं थे। विद्यालय संचालकों को बच्चों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने चाहिए। जिला शिक्षा अधिकारी जयपुर को मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। परिजनों ने अभी तक पंचनामे पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। हस्ताक्षर के बाद ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू हो पाएगी।शुरुआती दौर में फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर जांच की जा रही है। कुछ सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। स्कूल प्रबंधन ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है

अमायरा के परिवार की महिला कमलेश ने कहा, ऐसे स्कूल मोटी फीस लेते हैं और सबूत मिटाने का काम करते हैं, ऐसा स्कूल बंद होना चाहिए। जिस बच्ची की मौत हुई वह इकलौती बेटी थी। ग्राउण्ड फ्लोर पर उसकी क्लास थी। चौथी मंजिल पर अकेली गई थी। जो सीसीटीवी में जाते दिख रही है। कूदने से पहले रेलिंग पर बैठी। कुछ सेकेंड बैठी रही। फिर कूद गई।

मेट्रो मास हॉस्पिटल के डॉक्टर ने बताया कि जब बच्ची को हॉस्पिटल लेकर आए थे। उस वक्त सांसें लगभग थम चुकी थीं। बच्ची की डेड बॉडी इतनी खराब स्थिति में थी कि देखकर हम लोग भी घबरा गए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कैनडा के प्र.मं ने ट्रंप से माफी मांगी

सियोल, 01 नवंबर। कनाडा और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को यह स्वीकार किया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से एक विवादित राजनीतिक विज्ञापन को लेकर औपचारिक माफी मांगी है। यह विज्ञापन

- कैनडा के प्र.मंत्री मार्क कार्नी ने बताया, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रीगन के बयान संबंधी विज्ञापन के लिए उन्होंने ट्रंप से माफी मांगी है।

हाल ही में कनाडा में प्रसारित हुआ था जिसने दोनों देशों के बीच नए विवाद को जन्म दिया।

यह मामला उस समय शुरू हुआ जब ओंटारियो प्रांत की सरकार ने अमेरिकी टैरिफ नीति के खिलाफ एक एड जारी किया। इस विज्ञापन में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)